महामहिम एमीर ने प्रजातंत्र, विकास एवम मुक्त व्यापार के दोहा मंच के उदघाटन की

कत्तर के एमीर महामहिम शेख हमद बिन खलीफा अल थानी ने प्रजातंत्र, विकास और मुक्त व्यापार के 6वां दोहा मंच के उदघाटन दोहा शराटन होटल में आज की। इस अवसर पर महामहिम एमीर के धर्मपत्नि महामहिम शेखा मौज़ा बिन्त नासर् अल मिस्नद उपस्थित रहे थे।

इस उदघाटन समारोह के अवसर पर कई शेखों, मंत्रियों, सलाहकार समिति के उप अध्यक्ष,कत्तर में उपस्थित कई राष्ट्रों के राजदूतों, वरिष्ट अधिकारियों, विशिष्ट मेहमानों और कई व्यापारियों उपस्थित रहे थे।

कत्तर के एमीर महामहिम शेख हमद बिन खलीफा अल थानी ने उदघाटन के अवसर पर किए प्रभाषण में प्रजातंत्र, विकास और मुक्त व्यापार के बारें में जोर दी और कहा कि यह सब आपस में संबधित है। उन्होंने कहा कि इस में एक को अलग परिपालन नहीं कर सकते है।

महामहिम एमीर ने कहा कि आर्थिक और समाजिक प्रभावी विकास के बिना प्रजातंत्र के परिपालन नही हो सकते है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक निर्णयों में जनता के हिस्सेदारी से ही सुस्थिर विकास प्राप्त कर सकते है ताकि जनता को उनके आर्थिक तत्परता के परिरक्षण कर सकें।

महामहिम एमीर ने कहा कि विकसन्मुखी राष्ट्रों में जनता के फायदा के लिए उन्हें मदद करना चाहिए ताकि एक संपूर्ण राजनैतिक, आर्थिक एवम सामाजिक सुधराव होंगे जिसे प्रजातंत्र, विकास और मुक्त व्यापर से वांछित फायदा और एक नए विश्व क्रम हासिल कर सकें।

कत्तर के एमीर महामहिम शेख हमद बिन खलीफा अल थानी ने कहा कि विकसित राष्ट्रों को विकासोन्मुखी राष्ट्रों के समस्यों पर जानकारी होना चाहिए और इन समस्यों को समझौते के रूप में विश्व व्यापार संघटन को परिपालन करना है जिसे इन राष्ट्रों के विकास हो जाए।

महामहिम एमीर ने कहा कि प्रजातंत्र के परिपालन से ही क्षेत्र में सुरक्षा हो सकते है क्योंकि उन्होंने कहा कि सुरक्षा का मतलब सिर्फ राष्ट्रों फौजी संविधान नही है। यह हर एक राष्ट्रों के अभ्यंतर राजनैतिक युक्तियों से होना चाहिए जहां प्रशासनिक मामलाओं में जनता के हिस्सेदारी होना चाहिए।

महामहिम एमीर ने प्रजातंत्र के रक्षकों से आह्वान किया के फलस्तीन जनता के प्रजातंत्रिक निर्णयों को स्वीकार करना चाहिए और ुनको सहारा और मदद प्रदा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह ज़रूरी है कि फलस्तीन के जनता को प्रोत्साहन करना है और उनके स्वयं निर्णय अवकाश पर दखल देना नी चाहिए।

© विदेशी सूचना साधन, कतर, सारे अधीकार आरक्षित